मिशन शिक्षण संवाद

कक्षा- 7

इतिहास

अकबर के नवरत्न

काव्यमय प्रस्तुति

संकलन

काव्यांजलि टीम , मिशन शिक्षण संवाद

मिशन शिक्षण संवाद

अकबर के नवरत्न

'मुल्ला दो प्याजा'

01

अकबर के नौ रत्नों की कहानी,
मुल्ला दो प्याजा की सुनाऊं कहानी।
फैजी रत्न से मुलाकात जब हुई,
फैजी के घर शाही दावत उड़ाई।।

एक व्यंजन बहुत ही भाया,
नाम दो मुर्गा प्याजा बताया।
जहाँ जाते मुर्गा दो प्याजा खाते,
मशहूर हुए तो अकबर तक गई बातें।।

अकबर ने मुर्गी खाने का खानसामा बनाया,
सूझ-बूझ से मुर्गी खाने का खर्च बचाया।
अकबर अबुल हसन से प्रभावित हुआ,
अबुल हसन को मुल्ला दो प्याजा नाम दिया।।

रीना (स०अ०)
प्राथमिक विद्यालय गिदहा
क्षेत्र-सदर,महराजगंज

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

मिशन शिक्षण संवाद

अकबर के नवरत्न

तानसेन

02

ग्राम बेहट, ग्वालियर में जन्मे,
रामतनु पाण्डेय नाम कहाए।
अकबर के नवरतन तानसेन,
परम प्रसिद्ध संगीतज्ञ कहलाए।।

मूर्च्छना पद्धति, ध्रुपद शैली के,
विख्यात ये गायक कहलाए।
ब्रज की कीर्तन पद्धति के भी,
ज्ञानी ये अनंत कहलाए।।

दीपक राग जो तानसेन गावें,
बुझे हुए दीपक जल जाएं।
संगीतसार और रागमाला ये,
ग्रन्थ इनके संग्रह कहलाएं।।

पूजा सचान(स०अ०)
EMPS मसेनी
बढ़पुर,फर्रुखाबाद

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

मिशन शिक्षण संवाद

अकबर के नवरत्न

बीरबल

03

माँ अन्भा देवी रही पितु थे गंगा दास,
अल्प आयु में ही लिया कलम साध निज हाथ।
बीरबल नाम लिए हुए प्रसिद्ध महेशदास,
बादशाह अकबर के नवरत्नों में थे खास।।

पल-भर में समस्या का करते थे निदान,
यूपी में कालपी निकट इनका जन्मस्थान।
प्रखर बुद्धि के थे धनी, चतुराई थी खूब,
कवित्वशक्ति अद्भुत,गान विद्या भी अनूप।।

"कविराय" व "राजा" की उपाधि से हुए सम्मानित,
अकबर ने किया "वीर वर" नाम से भी नामित।
"दीन-ए-इलाही" को बीरबल ने खूब अपनाया,
अकबर-बीरबल का हर किस्सा मन के सबको भाया।।

प्रतिभा चौहान (स०अ०)
प्रा०वि० गोपालपुर
डिलारी मुरादाबाद

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद शिक्षक का सम्मान।

मिशन शिक्षण संवाद

अकबर के नवरत्न

टोडरमल

04

टोडर ने खत्री परिवार में 1503 में जन्म लिए,
बचपन से ही अल-टण्डन ने कर्म बहुत महान किए।
जन्म भरतपुर अलवर में मृत्यु लाहौर ज्ञात है,
माँ-बापू के नाम से सभी जने अज्ञात हैं।।

अकबर के नव-रत्नों में 'वज़ीर' उपाधि पाई थी,
भूमि की मापन भी पहली इन्हीं के हाथों आई थी।
प्रखर-बुद्धि और शासन की समझ थी इनके पास,
इसलिए हर क्षण रहते थे राजा के ये खास।।

सभी बुरे कर्मों का ये करते थे प्रतिवाद,
भागवत पुराण का फ़ारसी में किया था अनुवाद।
अकबर टकसाल प्रबन्धन का पूर्ण इन्हें ज्ञान था,
इसलिए नव रत्नों में यह रतन महान था।।

आयुषी अग्रवाल(स०अ०)
कम्पोजिट वि०शेखूपुर ख़ास
(कुन्दरकी)मुरादाबाद

शिक्षा का उत्थान,
मिशन शिक्षण संवाद
शिक्षक का सम्मान।

मिशन शिक्षण संवाद

अकबर के नवरत्न

फ़ैज़ी

05

कवि फ़ैज़ी थे अकबर के नवरत्नों में एक,
अबुल फ़ज़ल के बड़े भाई, दिल के थे वे नेक।
भारतीय फ़ारसी कवि बने सलीम के गणित शिक्षक,
अनमोल रत्न बने धार्मिक सहिष्णुता के रक्षक।
1589 में पाया ख़िताब, वे हो गए मलिक उश-शु-आरा,
बाद में बनाया गया बुरहानुलमुल्क का राजदूत प्यारा।
आगरा, कालपी, कालिंजर के सदर वो बनाए गए,
राजकवि के रूप में सभी के द्वारा सराहे गए।

काल के गाल में समाया क्षय रोग से ये राजकवि,
नवरत्न में से एक डूबा, अद्भुत थी जिसकी छवि।

गीता यादव(प्र०अ०)
प्रा०वि०मुरारपुर
देवमई, फतेहपुर

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

मिशन शिक्षण संवाद

अकबर के नवरत्न

राजा मान सिंह

06

आमेर के राजा मानसिंह की गाथा तुमको रहे सुनाय।
अकबर के नवरत्नों में थे जन्मे राजस्थान में जाय॥

भगवानदास भगवतीबाई उनके मात-पिता कहलाय।
दानवीर और महाकवी की ख्याति मानसिंह जी पाय॥

वीर प्रतापी महा योद्धा थे,युद्ध में हार मानते नाय।
पठान सुल्तान को रणभूमि में दीन्ही थी धूल चटाय।।

छः जुलाई सोलह सौ चौदह अचलपुर नगर में जाय।
पंचभूत में हुए समाहित,इतिहास इन्हें भूलता नाय।।

मंजू शर्मा, स०अ०
प्रा०वि० नगला जगराम
सादाबाद - हाथरस

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

मिशन शिक्षण संवाद

अकबर के नवरत्न

रहीमदास

07

बैरम खाँ के पुत्र थे,कविवर रहिमन दास।
अकबर के नवरत्न थे,बिल्कुल खासमखास।।

हिन्दी, संस्कृत, फारसी,अरबी का था ज्ञान।
निपुण तीर-तलवार में,बल-बुद्धि के खान।।

हिन्दी के अभिमान थे,दान-दया से प्रीति।
लेखन का प्रिय विषय था,भक्ति, धर्म और नीति।।

है'रहीम दोहावली',उनका यश आधार।
जिनके दोहों में भरे,सब हिन्दू आचार।।

तुलसी ने भी आपको,माना मित्र महान।
तब रहीम चमके यथा,गगन मध्य दिनमान।।

प्रवीणा दीक्षित
Kgbv Kasganj

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

मिशन शिक्षण संवाद

अकबर के नवरत्न

आजियोद्दीन फकीर

08

अकबर के नवरत्नों में थे,आजियोद्दीन फकीर।
ये एक सूफी संत थे ,और थे धार्मिक वजीर।।

अकबर के थे प्रमुख चिकित्सक और थे सलाहकार।
अकबर की रसोई का भी इन्हीं पर पूरा भार।।

अकबर महान के स्वास्थ्य का रखते थे पूरा ध्यान।
अकबर के नवरत्नों में इनका प्रमुख स्थान।।

यही धार्मिक मंत्रालय की देख- रेख करते थे।
रहे सलामत शांति राज्य में सदा सजग रहते थे।।

हकीम हुक्काम के नाम से भी इनको जाना जाता।
अकबर के नवरत्नों से इनका प्रमुख था नाता।।

रचना-राज कुमार शर्मा (प्र.अ.)
पू.मा.वि. चित्रवार,
ब्लॉक-मऊ, जनपद-चित्रकूट

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

मिशन शिक्षण संवाद

अकबर के नवरत्न

अबुल फ़ज़ल

09

1551 में शेख़ मुबारक ने पाया इक पुत्र रत्न,
आगरा में जन्मा अकबर का यह नवरत्न।
लेखक, राजनेता, सैन्य जनरल था महान,
इतिहास लेखक के रूप में बनाई थी पहचान।।
मुगल शासनकाल को कैद किया लेखनी से,
ख्याति बढ़ी अकबरनामा और आइन-ए- अकबरी से।
पंचतंत्र का भी किया फ़ारसी अनुवाद था,
कहानियों का संकलन वह अनवर-ए-सादात था।।
वफ़ादारी खटक रही अबुल की जहाँगीर को,
रास्ते से हटाया 1602 में भेज वीर सिंह को।
बुद्धि, प्रतिभा का धनी, अकबर का वफादार था,
स्वधर्म, संस्कृति और साहित्य से उसे प्यार था।।

अर्चना अरोड़ा(प्र०अ०)
प्रा०वि०बरेठर खुर्द
खजुहा, फतेहपुर

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

रचनाकारों की सूची•••

1- रीना सैनी, महाराजगंज

2- पूजा सचान, फर्रुखाबाद

3- प्रतिभा चौहान, मुरादाबाद

4- आयुषी अग्रवाल, मुरादाबाद

5- गीता यादव, फतेहपुर

6- मंजू शर्मा, हाथरस

7- प्रवीणा दीक्षित, कासगंज

8- आर० के० शर्मा, चित्रकूट

9- अर्चना अरोड़ा, फ़तेहपुर

°°संकलन••

काव्यांजलि टीम, मिशन शिक्षण संवाद